MUMBAI
नवभारत
CONS ऑफ मुंबई

भक्तिवेदान्त हॉस्पिटलः होलिस्टिक इलाज का मुख्य केन्द्र

डॉ.संदीप एन.पाटिल

हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ.संदीप एन.पाटील ने रुरल मेडिकल कॉलेज, लोनी से एम.बी.बी.एस., स्वास्थ्य मंत्रालय से डीएनबी (इंटरनल मेडिसिन), गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नागपुर से एम.डी.(इंटरनल मेडिसिन) और डि एम (कार्डियोलॉजी) की डिग्री टी. एन मेडिकल कॉलेज, बी.वाय एल नायर चैरिटेबल हॉस्पिटल मुंबई से हासिल की है. आप बी.वाय एल नायर चै. हॉस्पिटल एवं टी. एन. मेडिकल कॉलेज में कॉर्डियोलॉजी विभाग में सहायक प्राफेसर भी रहे. आपको इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में महारत हासिल है, अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों में आपके लेख एवं पेपर प्रकाशित हो चुके हैं, आपको हृदयरोग के क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव है. जून 2009 में आयोजित डी. एम. कार्डियोलॉजी परीक्षा में आपको युनिवर्सिटी का गोल्ड मेडल मिल चुका है . वर्तमान में आप भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड

पश्चिमी उपनगर मीरा रोड में स्थित 200 बेड का भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट अपनी अत्याधुनिक वैज्ञानिक एवं होलिस्टिक हेल्थ केयर सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है. 10 बेडेड नर्सिंग होम से शुरु हुआ इसका सफर आज 200 बेड के मल्टी स्पेशियाल्टी हॉस्पिटल में बदल चुका है.शरीर, मन एवं आत्मा की सभी जरुरतों की बेहतर समझ एवं जागरुकता पर आधारित इस अस्पताल में हर एक मरीज को प्यार एवं समर्पण के साथ उत्तम इलाज उपलब्ध कराया जाता है.

भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल के कार्डियाक सेंटर के हेड डॉ. संदीप एन.पाटील ने बताया कि

भक्तिवेदान्त
अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान

हमारा मोटो प्यार एवं भक्ति भाव के साथ हर एक मरीज को शरीर, मन एवं आत्मा की सच्ची जागरुकता एवं समझ पर अधारित आधुनिक, वैज्ञानिक, होलिस्टिक हेल्थ केयर सेवाएं प्रदान करना है.

वैसे तो भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल एक मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल है जहां हर रोग का इलाज उपलब्ध है. लेकिन हमारा कार्डियाक सेंटर सबसे व्यस्त विभागों में एक है. हम प्रतिवर्ष लगभग 4000 ओपीडी रोगी का इलाज और लगभग 1500 कार्डियाक प्रक्रिया करते हैं, जिसमें एंजियोग्राफी, एजिंयोप्लास्टी, पेसमेकर, जन्मजात हृदय रोग के लिए डिवाइस क्लोजर, इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी तथा पेरिफेरल इंटरवेन्शन शामिल हैं. भक्तिवेदान्त के कार्डियाक सेंटर की खास बात यहां का टीम वर्क और अर्जेंसी की समझ है, जो हमें हार्टअटैक से पीड़ित रोगी का अस्पताल पहुंचते ही 30 मिनट के अंदर सफल उपचार करने में कामयाब बनाता है. यह 60 मिनट के अंतर्राष्ट्रीय 'डोर टू बलून टाइम' के मानक से बेहतर है. इसका अर्थ यह हुआ कि रक्त आपूर्ति हृदयधमनी में ब्लॉकेज के कारण यदि हृदयघात होता है, तब ऐसे रोगी के मामले में हम 30 मिनट में यह ब्लॉकेज खोलने में सफल होते हैं, जो एक सराहनीय कार्य है. कहा जाता है कि जितने कम समय में धमनी का ब्लॉकेज खोलने में सफलता मिलती है, हृदय को उतना कम नुकसान होता है.डॉ. पाटिल ने कहा कि भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल की कार्डियो से पल्मनरी रिहैबिलिटेशन यूनिट रोगों के प्रिवेंटिव पहलुओं के उद्देश्य नियमित स्वास्थ्य चर्चा के माध्यम से अस्पताल में एवं अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी अत्याधुनिक रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्रदान करती है.

■ बढ़ रही है हृदयरोगियों की संख्या

डॉ. पाटिल ने कहा कि देश में कार्डियो वैस्कुलर डिजीज (सी.वी.डी) तेजी से बढ़ रही है, जो मौत का कारण बनती है. देश में 5.45 करोड़ लोग सी.वी.डी के रोगी हैं, यानी भारत में 4 में से एक मौत हृदयरोग के कारण होती है. उन्होंने कहा कि शहरीकरण, खाने-पीने की आदत में बदलाव , जंक फूड एवं फास्ट फूड का बढ़ता चलन, स्थानबद्ध जीवन शैली, तनावपूर्ण कामकाजी वातावरण तथा तंबाखू व स्मोकिंग जैसी गलत आदतों के कारण यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है पहले यह धारणा थी कि वृद्धावस्था में हृदय की बीमारी अधिक होती है, लेकिन अब 20-22 वर्ष की आयू के नौजवान भी हृदयाघात के शिकार हो रहे है.

■ अत्याधुनिक इलाज की सुविधा

हृदयरोग के इस भारी दबाव को देखते हुए और लोगों को उत्तम इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल ने पूर्णरुप से अत्याधुनिक सुविधाओं से सज्जित कार्डियाक सेंटर शुरु किया है, जो प्रिवेंटिव कार्डियाक केयर एवं एडवांस कार्डियाक केयर दोनों सेवाएं प्रदान करता है. हमारे अत्याधुनिक कार्डियाक कैथ लैब (सीथेस आर्टिस जी) का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पीजे अब्दुल कलाम के हाथों हुआ, जो अस्पताल के लिए गौरव की बात है. हमारे कार्डियाक केयर सेंटर में उपलब्ध आईएबीपी, एफएफआर, रोटा ब्लेशन, ओसीटी (ऑप्टिकल कोहरेंस होमोग्राफी) जैसी एडवांस टेक्नॉलॉजी के कारण हम अति जटिल हृद धमनी बीमारी का इलाज करने में सफल हो रहे हैं. हमारे यहां कार्डियोलॉजिस्ट्स, सीवीटीएस सर्जन, इंटेंसिविस्ट की एक समर्पित टीम 24 घंटे उपलब्ध रहती है, जो किसी भी कार्डियाक इमर्जेंसी की देखभाल करने में समर्थ है. हमारा नर्सिंग पैरामेडिकल एवं आधात्मिक स्टॉफ रोगी को न केवल शारीरिक दृष्टि से बल्कि मानसिक दृष्टि से आरामदेह एवं आनन्दमय देखभाल प्रदान करता है.

डॉ.पाटिल के कहा कि आधुनिक उपकरण एवं आधुनिक टेक्नॉलॉजी के साथ 6 आपरेशन थिएटर और एक कैथलैब से सज्जित हमारे अस्पताल में इंटिग्रेटेड मेडिसिन की बेजोड़ अवधारणा के साथ सभी रोगों का इलाज किया जाता है. मानवीय टच एवं संवेदनशीलता के साथ सम्पूर्ण मेडिकल केयर भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल का मिशन है, शुरु से हम इस बात का ख्याल रखते है. कि कोई रोगी बिना इलाज के वापस न जाए. विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं चैरिटेबल ट्रस्टों की मदद से गरीब से गरीब रोगी का इलाज भी कर पाने हम सफल हैं.हमारी कोशिश, हर रोगी के चेहरे पर समाधान और मुस्कान बिखरने की होती है. भक्तिवेदान्त हॉस्पिटल में डीएनबी की डिग्री मेडिसिन एवं बालरोग विभाग में शुरू की गयी है और अगले साल कार्डियोलॉजी विभाग में भी शुरुआत होनी वाली है.